लोक प्रशासन

[Public Administration]

Manohar Memorial
LIBRARY
Accession No.
Classification.........
FATEH BAD (HISSA

डॉ. अमरेश्वर अवस्थी
बी. ए. (ऑनर्स), एम. ए., एम. पी. ए. (हारवर्ड), पी-एच. डी. (लखनऊ)
प्राचार्य एवं अध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग,
सागर विश्वविद्यालय, सागर

एवं

डॉ. श्रीराम माहेश्वरी
एम. ए., एम. जी. ए. (पेन., यू. एस. ए.) पी-एच. डी. (दिल्ली)
रीडर, लोक प्रशासन विभाग,
इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑव पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली

लक्ष्मीनारायण अग्रवाल
पुस्तक प्रकाशक : आगरा – ३

विषय-सूची

अध्याय पृष्ठ

प्रथम खण्ड

प्रसारोन्मुख प्रशासकीय क्षितिज

१. **लोक प्रशासन की बुनियादी अवधारणाएँ** ३–१९

[लोक प्रशासन का अर्थ; क्षेत्र; प्रकृति; प्रशासन का दर्शन; लोक प्रशासन में मानवीय तत्त्व; लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन ।]

२. **प्रशासन पर नियन्त्रण** २०–३७

[वैधानिक नियन्त्रण; वैधानिक नियन्त्रण की मर्यादाएँ; प्रशासन पर कार्यपालिका का नियन्त्रण; प्रशासन पर न्यायिक नियन्त्रण; न्यायिक नियन्त्रण की मर्यादाएँ; न्यायिक हस्तक्षेप का क्षेत्र; शासन के विरुद्ध अभियोग; सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोग; असाधारण उपचार ।]

द्वितीय खण्ड

संगठन

३. **संगठन के सिद्धान्त** ४१–४९

[संगठन की अवधारणा के प्रति उपागम ।]

४. **संगठन के मूल तत्त्व** ५०–६२

[पद सोपान; नियन्त्रण का विस्तार-क्षेत्र; नियन्त्रण की एकता; एकीकरण बनाम विघटन; केन्द्रीकरण बनाम विकेन्द्रीकरण ।]

५. **संगठन का ढाँचा—मुख्य कार्यपालिका** ६३–९३

[कार्य; नीति तथा मन्त्रणा अभिकरण; सहायक अभिकरण; मन्त्रणा अभिकरण; भारत में मन्त्रणा अभिकरण; मन्त्रिमण्डल का सचिवालय; प्रधान मन्त्री का सचिवालय, मन्त्रिमण्डल समितियाँ; योजना आयोग; ब्रिटेन में मन्त्रणा अभिकरण; संयुक्त राज्य अमरीका के कार्यकारी कार्यालय; ह्वाइट हाउस कार्यालय; बजट ब्यूरो; राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ।]

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

६. **संगठन का ढाँचा—विभाग** ९४–११२

[एकीकृत बनाम असम्बद्ध संगठन; संगठन के आधार; विभागीय संगठन के आधार; प्राधिकार का अवस्थापन; केन्द्रीय सरकार में विभागीय संगठन ।]

७. **संगठन का ढाँचा—लोक निगम** ११३–१३३

[लोक निगम की कुछ समस्याएँ; लोक उद्यमों पर संसदीय प्रवर समिति; प्रवर समिति के पक्ष में तर्क; प्रवर समिति के विपक्ष में तर्क ।]

८. **संगठन का ढाँचा—मण्डल और आयोग** १३४–१४७

[वित्त आयोग; संघीय लोक सेवा आयोग; निर्वाचन आयोग; पिछड़े वर्गों से सम्बन्धित आयोग; राजभाषा आयोग; स्वतन्त्र नियामक आयोग; सुधार के प्रयत्न ।]

९. **क्षेत्रीय प्रशासन** १४८–१६२

तृतीय खण्ड

प्रबन्ध

१०. **प्रबन्ध तथा उसके कार्य** १६७–१७२

[अर्थ; प्रकृति; कार्य; भागग्राही प्रबन्ध; अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ ।]

११. **नेतृत्व, नीति-निर्माण तथा निर्णय देना** १७३–२०१

[**नेतृत्व**—नेतृत्व की आवश्यकता; अर्थ और प्रकृति; नेतृत्व का विकास; नेता कैसे चुने जायँ ?; **नीति-निर्धारण**—महत्त्व; अर्थ; नीति तथा प्रशासन; नीति का निर्माण; भारत में नीति संविन्यासन; **निर्णय देना**—महत्त्व; अर्थ और प्रकृति; निर्णय कौन देता है ?; निर्णय देने के आधार; निर्णय कैसे देना चाहिए ?; निर्णय करने की समस्याएँ ।]

१२. **योजना** २०२–२२७

योजना क्यों ?; योजना क्या है ? ; योजना के प्रकार; योजना की प्रक्रिया; योजना का संविन्यासन; **योजना आयोग**—उद्गम; कार्य; संरचना; संगठन; **राष्ट्रीय विकास परिषद**—उद्गम; कार्य; रचना; मूल्यांकन; परिपालन; मूल्यांकन; **योजना की परियोजना विषयक समिति**—उद्गम; संगठन; क्रियाएँ; **कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन**—संगठन; कार्य; भारत में योजना की प्रशासकीय उलझनें; प्रशासकीय संगठन तथा प्रबन्ध ।]

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

१३. **समन्वय, प्रत्यायोजन, संचार और पर्यवेक्षण** २२८–२५६

[**समन्वय**—महत्त्व; अर्थ; किस प्रकार समन्वय करना चाहिए ?; बाधाएँ; **प्रत्यायोजन**—प्रत्यायोजन की आवश्यकता; प्रत्यायोजन क्या है ?; क्या प्रत्यायोजित करना चाहिए ?; प्रत्यायोजन में बाधाएँ; प्रत्यायोजन कैसे करें ? **संचार**—महत्त्व; अर्थ; माध्यम; कठिनाइयाँ तथा अवरोध; संचार के लिए आवश्यक बातें; **पर्यवेक्षण**—पर्यवेक्षण क्यों ?; पर्यवेक्षण क्या है ?; पर्यवेक्षक कौन है ?; पर्यवेक्षण कैसे करें ?; प्रतिवेदन; निरीक्षण; पर्यवेक्षक कैसे प्राप्त करें ?; पर्यवेक्षकों का शिक्षण ।]

१४. **लोक सम्बन्ध तथा प्रकाशन** २५७–२७२

[लोक सम्बन्धों की आवश्यकता; अर्थ तथा प्रकृति; उपकरण तथा प्रविधियाँ; लोक सम्बन्ध कार्य किसके अधीन रहे ?]

चतुर्थ खण्ड

सेविवर्ग प्रशासन

१५. **नौकरशाही तथा लोक सेवा** २७५–३०९

[अर्थ; नौकरशाही की व्याधियाँ, नौकरशाही के गुण; **लोक सेवा**—महत्त्व; अर्थ; कार्य; अर्हताएँ; आधुनिक प्रवृत्तियाँ; संख्यात्मक शक्ति; प्रविधिज्ञ तथा विशेषज्ञ; बढ़ती हुई शक्तियाँ; लोक सेवा की सकारात्मक प्रकृति; लोक सेवा की तटस्थता; **नैतिक स्तर, नीतिशास्त्र तथा व्यावसायिक मापदण्ड**; नैतिक स्तर; प्रशासन में नीतिशास्त्र; व्यावसायिक मापदण्ड ।]

१६. **भर्ती** ३१०–३३८

[भर्ती करने वाली सत्ता का निश्चयन; भर्ती की रीति; कर्मचारियों की आवश्यक अर्हताएँ; सामान्य अर्हताएँ; विशेष अर्हताएँ; अर्हताएँ निश्चित करने की रीति; अर्हताएँ निश्चित करने के लिए प्रशासकीय तन्त्र; संरचना; कार्य; **पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों तथा अनूसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण**—सेवाओं में साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व तथा भाषा सम्बन्धी विचार ।]

१७. **शिक्षण तथा प्रशिक्षण** ३३९–३६६

[प्रशिक्षण के उद्देश्य; प्रशिक्षण के प्रकार; प्रशिक्षक कौन हो ?; प्रशिक्षण की विषय-वस्तु क्या हो ?; ब्रिटेन में प्रशिक्षण; भारत में

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

प्रशिक्षण; भारतीय प्रशासकीय सेवाओं के लिए प्रशिक्षण; भारतीय विदेश सेवा के लिए प्रशिक्षण; भारतीय पुलिस सेवा के लिए प्रशिक्षण; भारतीय लेखा-परीक्षण तथा लेखा-सेवा के लिए प्रशिक्षण; आय-कर सेवा के लिए प्रशिक्षण; रेलवे स्टॉफ कॉलेज, बड़ौदा; केन्द्रीय सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल, नयी दिल्ली; एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज, हैदराबाद; सामुदायिक विकास विषयक अनुसन्धान तथा अध्ययन की केन्द्रीय संस्था, मसूरी; लोक प्रशासन का भारतीय स्कूल ।

१८. **स्वामी और कर्मचारियों के सम्बन्ध** ३६७–३९२

[संघ बनाने का अधिकार; हड़ताल करने का अधिकार ।]

१९. **भारत में लोक सेवा** ३९३–४०९

[भूमिका; अखिल भारतीय सेवाओं का इतिहास; भारतीय प्रशासकीय सेवा ।]

पंचम खण्ड

वित्तीय प्रशासन

२०. **प्रशासन तथा वित्त** ४१३–४२५

[कार्यपालिका तथा विधानमण्डल; वित्त मन्त्रालय; लेखा-परीक्षा; बजट—बजट—प्रबन्ध का हृदय; बजट—विधायी नियन्त्रण का एक उपकरण; बजट—इसके आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव ।]

२१. **बजट सम्बन्धी प्रक्रिया** ४२६–४४८

[आधुनिक सरकार के बजट सम्बन्धी उत्तरदायित्व; बजट की तैयारी; बजट का अधिनियम; करों पर मतदान; वित्त विधेयक; बजट के पश्चात वित्त मन्त्रालय का नियन्त्रण ।]

२२. **भारत में संसद की वित्तीय समितियाँ** ४४९–४६०

[लोक लेखा समिति; प्राक्कलन समिति ।]

२३. **लेखा परीक्षा** ४६१–४७२

[ग्रेट ब्रिटेन; संयुक्त राज्य अमरीका; भारत; भारतीय लेखा परीक्षा के सम्बन्ध में पॉल एच० एपल्बी की आलोचना; लेखा परीक्षा से लेखाओं का पृथक्करण; पृथक्करण के पक्ष में; पृथक्करण के विपक्ष में ।]

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

छठवाँ खण्ड

प्रशासकीय कानून तथा विनियम

२४. **प्रत्यायोजित विधान** ४७५–४९९

[अर्थ; प्रत्यायोजन की आवश्यकता; प्रत्यायोजित विधान की सर्व-व्यापकता; नामावलि का भ्रम; प्रत्यायोजित विधान के साधारण तथा असाधारण प्रकार; हेनरी अष्टम धारा; प्रत्यायोजित विधान की हानियाँ; विधान निर्माण कार्य के प्रत्यायोजन में अभिरक्षण; प्रत्या-योजित विधि-निर्माण की जाँच करने वाली संसदीय समिति, भारत में प्रत्यायोजित विधि-निर्माण; भारत में मातहत विधान निर्माण पर संसदीय नियन्त्रण ।]

२५. **प्रशासकीय न्यायाधिकरण** ५००–५३३

[आभास न्यायिक; आय-कर पुनर्विचार न्यायाधिकरण; रेलवे दर न्यायाधिकरणों को बढ़ावा देने वाले तत्त्व; प्रशासकीय अधिनिर्णय के दो मुख्य प्रकार; प्रशासकीय न्यायाधिकरणों से लाभ; प्रशासकीय न्यायाधिकरणों से हानियाँ ।]

सप्तम खण्ड

प्रशासन में सुधार

२६. **प्रशासन में सुधार के कुछ यत्न** ५३७–५४८

[राज्य वित्तवेत्ता; वैज्ञानिक प्रबन्ध; रीतियाँ; समय तथा गति का अध्ययन; रीति-समय-माप; मूल्यांकन, हॉथॉर्न अध्ययन ।]

२७. **ओ और एम** ५४९–५७६

[अर्थ; कार्य; प्रकृति; ओ तथा एम क्यों ?; ओ तथा एम इकाई का स्थिति-निश्चयन; कर्मचारियों की नियुक्ति; ओ तथा एम की तकनीकें; सर्वेक्षण; निरीक्षण; प्रपत्र नियन्त्रण, नस्ती का परिचालन ।]

२८. **प्रशासकीय सुधार के अन्य उपकरण** ५७७–५९९

[कार्य अध्ययन; रीति अध्ययन; कार्य माप; अर्थ; कार्य माप से लाभ; माप की इकाइयाँ; तकनीकें; संगठन का विश्लेषण; विश्लेषणों के उपकरण; एस० आर० यू० (विशेष पुनर्संगठन इकाई) में कार्य अध्ययन; कार्य सरलीकरण; स्वचालन; परिचालन अनुसन्धान; यह है क्या ?; अन्य तरीकों से यह किस प्रकार भिन्न है; परिचालन अनुसन्धान के कुछ मामलों का विवरण ।]

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

२६. दक्षता में सहायक चीजें : लोक सेवाओं का बेहतर प्रयोजन ६००–६१२

[लोक सेवाओं का अधिक उत्तम अभिप्रेरण; कार्यकुशलता बढ़ाने वाली युक्तियाँ तथा सहायताएँ; आत्मनिष्ठ सहायताएँ—बौद्धिक तथा भावात्मक; वस्तुनिष्ठ सहायताएँ—व्यक्तिगत तथा बाह्य ।]

परिशिष्ट ६१३–६१८

शब्द-सूची (i)–(v)